



Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 5907160

Roll No. 23262000010
Total Mark 62/75.00

Exam BACHELOR OF ARTS_ODD EXAM-DEC-24
Subject A310302T - HISTORY OF TABLA

Question wise Mark Summary

Q.No Mark Q.No Mark Q.No Mark Q.No Mark

1A 4/5

1B 4/5

1C 4/5

1D 4/5

1E 4/5

1F 4/5

1G 4/5

1H 4/5

1I 4/5

2 0/15

3 13/15

4 0/15

5 0/15

6 0/15

7 0/15

8 0/15

9 13/15

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University Kanpur, Uttar Pradesh

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										
Total Marks in Figures										Max. Marks
Total Marks in Words										



A 3 1 0 3 0 2 T

Paper Code

Signature of Evaluator

Date of Exam: 13-11-2025 Shift: II and Room No.: 1
 Paper Code: A310302T Subject: Music (Solo) Year/Sem: 2/3
 Name of Candidate: Nitya Rastogi
 Roll No. 2326200010

Signature of Candidate
Nitya Rastogi

Signature of Investigator

COE Facsimile

Course: B.A
 Session: 2024-25 Year/Semester: 2/3
 Subject Name: History of Tabla
 Medium: English Hindi
 Paper Code: A310302T
 Exam Date: 13/11/2025
 Name of Candidate: NITYA RASTOGI
 Father's Name: SANJEEV RASTOGI

उत्तर पुस्तिका का कोड
College Code: F B 0 7

परीक्षा केंद्र का कोड
Exam Centre Code: F B 0 7

A	A	0	0
E	1	1	1
D	2	2	2
H	J	3	3
K	K	4	4
L	L	5	5
R	M	6	6
S	N	7	7
U	T	8	8
U	9	9	9
W			

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam

Regular Ex-Student
 Offcamp On the spot
 Private Back Paper Exam

ANSWER BOOKLET NO.

5907160

A 3 1 0 3 0 2 T

Paper Code



उत्प्रेषण संख्या
Enrolment Number: C S J M A 2 3 0 0 0 1 1 6 3 1 8

परीक्षार्थी उत्प्रेषण संख्या Candidate's Roll Number

पत्र का कोड Paper Code

2 3 2 6 2 0 0 0 0 1 0

0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	9

A 3 1 0 3 0 2 T

0	0	0	0	0	0	N
1	1	1	1	1	1	P
2	2	2	2	2	2	R
3	3	3	3	3	3	
4	4	4	4	4	4	
5	5	5	5	5	5	
6	6	6	6	6	6	
7	7	7	7	7	7	
8	8	8	8	8	8	
9	9	9	9	9	9	

Signature of Candidate
Nitya Rastogi

Signature of Investigator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट- 1. परीक्षार्थी को निर्दिष्टित किया जाया है कि आवरण पन्ने को पृष्ठ भाग पर अधिक सभी चिह्नों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
 2. अधिक से पढ़ी जाने वाली प्रतिलिपि कापी लफट से जुड़ की जायें। 3. पत्रों को काले या नीले सॉल्वेण्ट से भरा जायें।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

उम्मीदवारों को दिए निर्देश

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

1. प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिवने गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ पर सही तरह लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी विधिति स्वस्त लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या फटे हुए हैं, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसके परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निदेशक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विधिविधान्य द्वारा कोई काम नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी बलेरी का अतिरिक्त प्रार नही दिया जायेगा।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken the circles completely.



4. Make no Stray marks on this sheet.

5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.

IN ORDER TO AVOID UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tampering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Subject Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्देशित स्थान को संश्लेषण अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक करी और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनाये क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के सारबोर्ड अथवा उत्तर पुस्तिका तालिका पर छेद खाद करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं लाय न लायें, जैसे लिखे हुए कागज़ के टुकड़ों, मोबाईल, डिजिटल डायरी, डिजिटल घड़ी, कैलेंडर, घुलक या संधी वस्तुएं जो अनुचित साधन को उत्पन्न करती हैं। खंडित संश्लेषण प्रणालय में ही पेंसिली लेस साइंटिफिक कैलकुलेटर ले जाने की अनुमति है।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न लपेटे न ही उत्तर पुस्तिका में फिरकारी। ऐसा करने अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	●	1	●	1	1	1	1	●	1	1
2	2	2	2	2	2	2	●	2	2	2
3	3	3	3	3	3	●	3	3	3	3
4	4	4	4	4	●	4	4	4	4	4
5	5	5	5	●	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	●	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	●	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	●

Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .

Section : A

Q.1. Ans भारतीय सांगीतिक वाद्य यन्त्रों का वर्गीकरण कीजिए।
हमारे भारत में संगीत को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। संगीत हमारे लिए पूजा के समान माना जाता है। संगीत के बिना हमारा जीवन नीरस है।

हमारे संगीत में गायन, वादन तथा नृत्य इन तीनों कलाओं का समावेश होता है। गायन तथा नृत्य में सुन्दरता वादन से आती है। अतः हमारे संगीत को सुंदर वादन बनाता है। हमारे वाद्य यन्त्रों को चार भागों में बांटा गया है।

- 1) तत् वाद्य
- 2) धन वाद्य
- 3) सुषिर वाद्य
- 4) अवनद्यु वाद्य

1) तत् वाद्य → इसके अन्तर्गत वे वाद्य यन्त्र आते हैं जो तार के माध्यम से बजाए जाते हैं। इन वाद्यों में या वाद्य यन्त्रों में तार लगा होता है, जिनके माध्यम से हम इन वाद्य यन्त्रों को हाथ या किसी एक या अंगूठी की सहायता से बजाते हैं, इन वाद्य यन्त्रों को तत् वाद्य या तन्त्री वाद्य भी कहा जाता है। जैसे → सक्तारा आदि।

2) धन वाद्य → इसके अन्तर्गत वे वाद्य यन्त्र आते हैं, जो किसी धातु से टकराकर ध्वनि उत्पन्न करते हैं। अर्थात् धर्षण करने पर इन वाद्य यन्त्रों से ध्वनि सुनाई पड़ती है।
जैसे → घण्टा आदि।



--	--	--	--	--	--	--	--



3) सुषिर वाद्य → इसके अन्तर्गत वे वाद्य यन्त्र आते हैं जो फूंक या हवा के द्वारा बजाए जाते हैं अर्थात् हवा अन्दर से इन वाद्य यन्त्रों से ध्वनि उत्पन्न होती है। जैसे → हारमोनियम, बांसुरी इत्यादि।

4) अकम्प वाद्य → अवनद्ध वाद्य वे वाद्य होते हैं जो खाल से मढ़े हुए होते हैं, जिन्हें हाथ या छड़ी से बजाया जाता है। जैसे → तबला, परबाबज इत्यादि।

इस तरह हमारे भारतीय संगीत में प्रत्येक वाद्य यन्त्रों को चार वाद्य प्रकार के अन्तर्गत रखा जाता है।

(b) भारतीय संगीत में तबले की महत्ता पर संक्षिप्त लिपि लिखिए। (2)

3. तबला, भारतीय संगीत का सर्वाधिक उपयोग तथा संगत करने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण वाद्य यन्त्र माना जाता है। हमारे भारतीय संगीत में तबले को महत्वपूर्ण भूमिका प्राप्त है।

2. तबला, दो नगीय वाद्य जो अवनद्ध वाद्य यन्त्रों के अन्तर्गत आता है, सुनने में मधुर तथा जोरदार व जोशीला प्रतीत होता है। दक्षिण भारत में जो भूमिका परबाबज को प्राप्त है उससे अधिक, उत्तर भारतीय संगीत में तबले को।

"तबले पर परबाबज तथा जोरदार दोनों के ही वर्ण निकाल लिए जाते हैं।"

परबाबज पर ऐसा नहीं होता। तबले पर जोरदार



व खुले बोल तथा टोलक के समान सपाट प मधुर बोल बजा लिए जाते हैं। नृत्य करने के लिए तबले को ही संगत करने के लिए उपयोगी माना जाता है। गायन तथा नृत्य दोनों में ही तबले के द्वारा ही संगत किया जाता है जो अपने में मधुर लगता है तथा गायन तथा नृत्य को जाव डाल देता है। जिससे उसकी सुन्दरता और बढ़ जाती है।

- (c) तबले के विभिन्न धरानों के नाम लिखिए। (3)
- धराना शब्द से तात्पर्य है नस्ल या परम्परा। किसी भी प्रकार की कला अथवा आगम को आगे बढ़ाने के लिए हम किसी धराना को बनाते हैं। जैसे हमारे घर में पुत्र, पिता, दादा, परदादा आदि से हमारे धराने की पहचान होती है उसी प्रकार संगीत में भी अपनी कला को अपने सगे सम्बंधी तथा शिष्यों के द्वारा आगे बढ़ाने के लिए धराने बनाए जाते हैं, जिससे आजीवन काल तक उनकी कला को याद रखा जाए। हमारे संगीत में गायन, वादन तथा नृत्य इन तीनों कलाओं के अलग-अलग धराने हैं।

* वादन (तबला) के धराने ⇒

तबले के कुल छः

- धराने हैं —
- 1) दिल्ली धराना
 - 2) अजराड़ा धराना
 - 3) लखनऊ धराना
 - 4) फर्रुखाबाद धराना
 - 5) बनारस धराना
 - 6) पल्लव धराना

दिल्ली धराने से तबले के सर्वप्रथम पहचान व



--	--	--	--	--	--	--	--



प्रख्यात हुआ यह तबले का प्रथम धराना है तथा इसी के अन्तर्गत अन्य धरानों के भी जन्म हुए।

व) आड़ा चारताल का ठेका परिचय सहित लिखिए (4)
30 ताल - आड़ा चारताल

4 आड़ा चारताल तबले की ताल है। ये ताल शास्त्रीय संगीत में भी प्रयुक्त की जाती है। यह ताल में अधिक प्रचलित ताल है और न ही अधिक कम प्रचलन वाली। इस ताल को बन्द बोलों द्वारा बजाया जाता है। इस ताल में परन, दुकड़े आदि बजाए जाते हैं।

परिचय

मात्रा - 14 मात्राएँ
विभाग - 7 (प्रत्येक में 2-2 मात्रा)
ताली - 1, 3, 7, 11 मात्रा पर
खाली - 5, 9, 13 मात्रा पर

ताल का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	
बोल	खि	तिरकिट	खी	ना	र	ना	क	ला	तिरकिट	खी	ना	खी	खी	ना	खि
चिन्ह	X		2		0		3		0		4		0		X

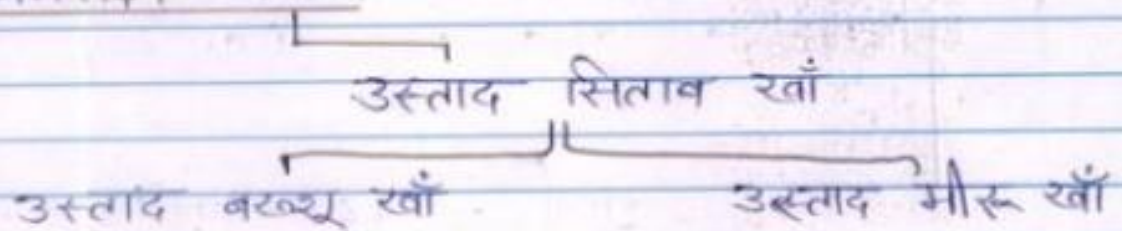
अजराड़ा धराना के जन्म के हैं (5)
30 अजराड़ा धराना तबले का धराना है। यह तबले का द्वितीय प्रचलित धराना है। यह धराना, दिल्ली धराने से उत्पन्न धराना है। यह धराना कुछ-कुछ दिल्ली धराने से संबंधित



है। दिल्ली घराने के समान ही इसमें भी कुछ-कुछ बजाने का तरीका मेल खाता है, किन्तु कुछ बदलाव के साथ।

5 "अजराड़ा घराना के जनक उस्ताद सिताब खाँ के शिष्य बख्श खाँ तथा मीरू खाँ हैं।" अजराड़ा घराने में श्री पेशकार के द्वारा वादन का प्रारम्भ किया जाता है। इस घराने में बन्द बोलों का तथा हाथ दबाने का वादन किया जाता है। यह घराना कायदा के लिए प्रसिद्ध है।

* अजराड़ा घराना



(c) पाँच अवनद्ध वाद्यों के नाम लिखिए। (6)

30 अवनद्ध वाद्य वे वाद्य होते हैं, जिन्हें खाल के द्वारा मदा जाता है, ये वाद्य किसी भूत पशु की खाल के द्वारा मदे जाते हैं। इस वाद्य यंत्रों को हाथ तथा छड़ी की सहायता से बजाया जाता है। छड़ी के ऊपर कपड़ा बांध लिया जाता है, नहीं तो इनके फुट होने का भय रहता है। यह वाद्य यंत्र हाथों से तथा खुलकर बजाए जाते हैं, तभी इन्हें सुनने का आनन्द आता है।

अवनद्ध वाद्यों के नाम

- | | | |
|---------|-----------|---------|
| 1) तबला | 3) परखावज | 5) खोल |
| 2) ढोलक | 4) नाल | 6) डमरू |



f) तिलवाड़ा ताल का परिचय सहित ठेका लिखिए।
 30 ताल — तिलवाड़ा ताल

7 तिलवाड़ा ताल तबले की ताल है तथा बन्द बोलों द्वारा बजायी जाती है। यह ताल तीनताल के समान की ताल है अन्तर इतना है कि तीनताल छोटे या द्रुत खयाल के साथ प्रयुक्त होने वाली ताल है और तिलवाड़ा ताल बड़ा तथा विलम्बित खयाल के साथ। यह ताल एक कठिन प्रतीत नहीं होती किन्तु इस ताल को गम्भीर प्रकृति की ताल कहा जाता है।

परिचय →

मात्रा → 16 मात्राएँ
 विभाग → 4 (प्रत्येक में 4-4 मात्रा)
 ताली → 1, 5, 13 मात्रा पर
 खली 0 9 वी मात्रा पर

ताल का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धा	तिरकिट	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	त	तिरकिट	तिं	तिं	धा	धा	धिं	धिं
चिन्ह	x				2				0				3			

धा

x



- k) अपने पाठ्यक्रम की किसी ऐसी ताल का डेका लिखिए जिसमें खाली का विभाग न हो। (8)

30

ताल न तीवरा ताल

8 ताल तीवरा एक ऐसी ताल है, जिस ताल में खाली का विभाग नहीं होता, अतः यह ताल केवल ताली के द्वारा बजायी जाती है।

ताल - परिचय न ताल तीवरा परबावज की ताल है। यह ताल तुले बोलो द्वारा बजायी जाती है। इस ताल में परन, पड़ल, दुकेड़े आदि बजाये जाते हैं। यह छेरी ताल है। यह ताल मुख्य रूप से लघुपद गायन शैली के साथ प्रयुक्त की जाती है।

मात्रा — 7 मात्राएँ
 विभाग — 3 (प्रथम में 3 मात्रा, द्वितीय व तीसरे में 2)
 ताली — 1, 4, 6 मात्रा पर
 खाली — X नहीं होती।

ताल का डेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	व्या
बोल	धा	दि	ता	तिर	कत	गदि	गन	व्या
स्थिति	X			2		3		X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



8

- i) पंच तत् वाद्यों के नाम लिखिए। (9)
- 30 तत् वाद्य को तन्त्री वाद्य भी कहते हैं। वे वाद्य जिन्हमें तार लगा होता है अर्थात् जो तार में कंपन करके बजाया जाता है, तत् वाद्य कहते हैं।

9

तत् वाद्यों के नाम

- 1) सितार।
- 2) वीणा।
- 3) तानपुरा।
- 4) एकतारा।
- 5) गिटार।
- 6) बाँसुरी।

कुछ तत् वाद्य हाथ से कंपन करके बजाए जाते हैं तथा कुछ तत् वाद्य किसी स्टीक या किसी प्लास्टिक या कड़े डुकड़े की सहायता से या अंगूठी से।



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



9

Section ! BAny one Question

Y₀
3₀ तीनताल का एक कायदा तथा दो पल्ले लिखिए।
ताल = तीनताल

ताल-परिचय - तीनताल तबले की ताल है तथा बन्द बोलों द्वारा बजायी जाती है। इस ताल में गायन में खाल, गीत आदि गाय जाते हैं तथा वादन में कायदा, पेशकार, मुखड़ा, हुकड़ा आदि बजाये जाते हैं।

मात्रा → 16 मात्रा विभाग → 4
ताली → 1, 5, 13 मात्रापर खाली → 9 वीं मात्रापर

ताल का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	व्वा	खिं	खिं	व्वा	व्वा	खिं	खिं	व्वा	व्वा	तिं	तिं	ता	ता	खिं	खिं	व्वा
चिन्ह	X				2				0				3			X

X कायदा X

कायदा फारसी शब्द का शब्द है। तबले में जिसका वादन करने के बाद हाथ कायदे से चलने लगता है तथा वादन जोरदार तथा सुन्दर प्रतीत होने लगता है कायदा कहलाता है।

X पल्ल X

जब उसी कायदे को कुछ उल्ट-पलट की किसी और तरह



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



10

से बजाते हैं, तब उसे कायदे के पल्ले या प्रकार कहा जाता है। पल्ले दुगुन लग में बनाया जाता है।

तीनताल में कायदा

* कायदे का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धा	धा	तिर	किर	धा	धा	तू	ना	ता	ता	तिर	किर	धा	धा	तू	ना
चिन्ह	X				2				0				3			

* कायदे की दुगुन

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	धाधा	तिरकिर	धाधा	तूना	ताता	तिरकिर	धाधा	तूना
चिन्ह	X				2			
मात्रा	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धाधा	तिरकिर	धाधा	तूना	ताता	तिरकिर	धाधा	तूना
चिन्ह	0				3			

* कायदे का पल्ले No. 1

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	धाधा	तिरकिर	धाधा	तिरकिर	धाधा	तिरकिर	धाधा	तूना
चिन्ह	X				2			
मात्रा	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	ताता	तिरकिर	ताता	तिरकिर	धाधा	तिरकिर	धाधा	तूना
चिन्ह	0				3			



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



11

* कार्यदे का पलटा No. 2

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	तिरकिट	व्वा-	तिरकिट	व्वा-	व्वाव्वा	तिरकिट	व्वाव्वा	तूना
चिन्ह	X				2			
मात्रा	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	तिरकिट	ता-	तिरकिट	ता-	व्वाव्वा	तिरकिट	व्वाव्वा	तूना
चिन्ह	0				3			

व्वा

X

Section : CAny one Question

Q.0 अपने पाठ्यक्रम की किसी ताल का ढुंका व परन लिखिए।

Q.0ताल = तीनताल

तीनताल 16 मात्राओं की ताल है। इसे तीनताल या त्रिताल भी कहते हैं। यह ताल तबले की बन्द बोली की ताल है। सर्वाधिक प्रचलित ताल में से एक ताल यह भी मानी जाती है। इस ताल में गायन-गायन सरलता से होता है। साधारण प्रकृति की यह सबसे लोकप्रिय ताल है।

मात्रा → 16 मात्राएँ

विभाग → 4

ताली → 1, 5, 13 मात्रा पर खाली → 9 वीं मात्रा पर

X ताल का ढंका X

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	व्वा	चिं	चिं	व्वा	व्वा	चिं	चिं	व्वा	व्वा	ति	ति	ता	ता	चिं	चिं	व्वा
चिन्ह	X				2				0				3			



--	--	--	--	--	--	--	--



* * डुकड़ा *

तबले से निकलने वाले कुछ तर्जों को बांधकर बजाना ही डुकड़ा कहलाता है। पेशकार तथा कार्यके के पश्चात् वादक यही बजाता है।

* * तीनताल का डुकड़ा (चौगुन लय में)

मात्रा	1	2	3	4
बोल	<u>ध्वातिरकिटध्वा</u>	<u>तिरकिटध्वाती</u>	<u>ध्वातिरकिटतक</u>	<u>तातिरकिटक</u>
चिन्ह	X			
मात्रा	5	6	7	8
बोल	<u>तिरकिटतकता</u>	<u>तिरकिटध्वाती</u>	<u>ध्वाडध्वाती</u>	<u>ध्वाडध्वाती</u>
चिन्ह	2			
मात्रा	9	10	11	12
बोल	<u>तिरकिटतकता</u>	<u>तिरकिटध्वाती</u>	<u>ध्वाडध्वाती</u>	<u>ध्वाडध्वाती</u>
चिन्ह	0			
मात्रा	13	14	15	16
बोल	<u>तिरकिटतकता</u>	<u>तिरकिटध्वाती</u>	<u>ध्वाडध्वाती</u>	<u>ध्वाडध्वाती</u>
चिन्ह	3			

ध्वा

X

* * परन *

परन अधिकतर परबावन पर प्रयुक्त होने वाली क्रिया है। ये खुले तथा जोरदार ढंग से बजायी जाती है। तबले पर भी इसका वादन किया जा सकता है।



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



13

★ तीनताल में परन (चौगुन लय में)

मात्रा	1	2	3	4
बोल	<u>धागेतेरे</u>	<u>तागेतेरे</u>	<u>धागेतेरे</u>	<u>तागेतेरे</u>
चिन्ह	X			
मात्रा	5	6	7	8
बोल	<u>कृधातेरे</u>	<u>धागेतेरे</u>	<u>कृधातेरे</u>	<u>धागेतेरे</u>
चिन्ह	2			
मात्रा	9	10	11	12
बोल	<u>कृधातेरे</u>	<u>कलकल</u>	<u>धाऽऽऽ</u>	<u>कृधातेरे</u>
चिन्ह	0			
मात्रा	13	14	15	16
बोल	<u>कलकल</u>	<u>धाऽऽऽ</u>	<u>कृधातेरे</u>	<u>कलकल</u>
चिन्ह	3			



ध्या

X

दुकड़ा व परन कई प्रकार के होते हैं -

जैसे -

- न्यक्करदार दुकड़ा
- न्यक्करदार परन
- सक्कलधी परन इत्यादि

———— X ————

Roll no, 2326 २७७७१०

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



14

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



15

X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



16

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



17

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



18

X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



19

X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



20

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



21

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



22

Do Not Write anything in this Portion

X



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



23

X

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



24

X